अध्याय–आठ

आर्थिक संभाग वार : एक परिदृश्य

प्रदेश के क्षेत्रीय आर्थिक विकास की गतिविधियों को समान रूप से संचालित किये जाने के उद्देश्य से प्रदेश को निम्नानुसार चार आर्थिक संभागों में वर्गीकृत किया गया है–

1. पश्चिमी संभागः पश्चिमी संभाग में 27 जनपद यथा 1–सहारनपुर, 2–मुजफ्फर नगर, 3–बिजनौर, 4–मुरादाबाद, 5–रामपुर, 6–ज्योतिबा फुले नगर (अमरोहा), 7–मेरठ, 8–बागपत, 9–गाजियाबाद, 10–गौतम बुद्ध नगर, 11–बुलन्दशहर, 12–अलीगढ़, 13–महामाया नगर (हाथरस), 14–मथुरा, 15–आगरा, 16–फिरोजाबाद, 17–मैनपुरी, 18–बदायूं, 19–बरेली, 20–पीलीभीत, 21–शाहजहांपुर, 22–फर्रुखाबाद, 23–कन्नौज, 24–इटावा, 25–औरैया, 26–एटा एवं 27–कांशीराम नगर (कासगंज) सम्मिलित हैं।

2. मध्य संभागः मध्य संभाग में 10 जनपद यथा 1–खीरी, 2–सीतापुर, 3–हरदोई, 4–उन्नाव, 5–लखनऊ, 6–रायबरेली, 7–कानपुर देहात, 8–कानपुर नगर, 9–फतेहपुर एवं 10–बाराबंकी सम्मिलित हैं।

3. बुन्देलखण्ड संभागः बुन्देलखण्ड संभाग में 7 जनपद यथा 1–जालौन, 2–झांसी, 3–ललितपुर, 4–हमीरपुर, 5–महोबा, 6–बांदा एवं 7–चित्रकूट सम्मिलित हैं।

4. पूर्वी संभागः पूर्वी संभाग में 27 जनपद यथा 1–प्रतापगढ, 2–कौशाम्बी, 3–इलाहाबाद, 4–फैजाबाद, 5–अम्बेडकर नगर, 6–सुलतानपुर, 7–बहराइच, 8–श्रावस्ती, 9–बलरामपुर, 10–गोण्डा, 11–सिद्धार्थ नगर, 12–बस्ती, 13–संत कबीर नगर, 14–महराजगंज, 15–गोरखपुर, 16–कुशीनगर, 17–देवरिया, 18–आजमगढ, 19–मऊ, 20–बलिया, 21–जौनपुर, 22–गाजीपुर, 23–चन्दौली, 24–वाराणसी, 25–संत रविदास नगर (भदोही), 26–मीरजापुर एवं 27–सोनभद्र सम्मिलित हैं।

ग्राफ–8.1: प्रदेश के आर्थिक संभाग के आधार पर जनगणना मकानों/संरचनाओं का प्रतिशत वितरण

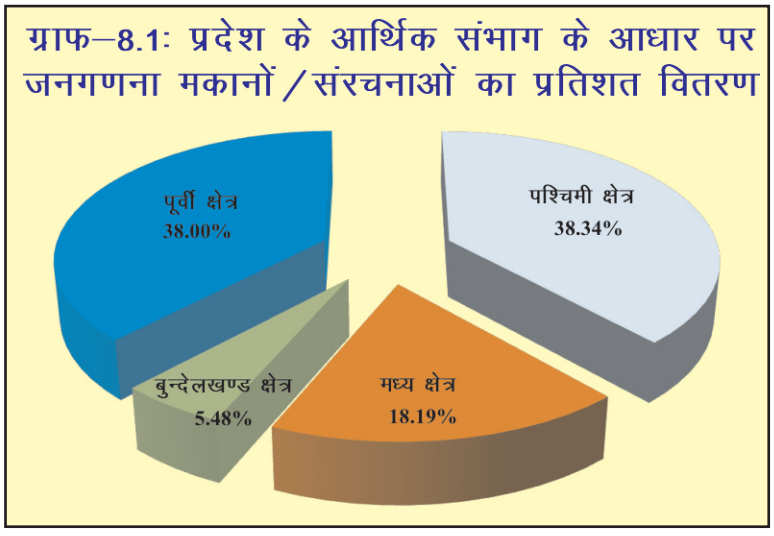

8.0 प्रदेश का आर्थिक संभाग के आधार पर जनगणना मकानों/संरचनाओं का प्रतिशत वितरण नीचे दिये गये पाई चार्ट में प्रदर्शित है। जनगणना मकानों /संरचनाओं का सर्वाधिक प्रतिशत 38.34 पश्चिमी क्षेत्र में तथा सबसे कम 5.48 प्रतिशत बुन्देलखण्ड क्षेत्र में रहा **(सन्दर्भ सारिणी–1)**।

8.1 आर्थिक संभागवार उद्यम एवं रोज़गार का प्रतिशत वितरण

छठी आर्थिक गणना 2012–13 में उद्यमों की कुल संख्या 66,83,905 पायी गयी। सम्भाग वार उद्यमों की संख्या का अवलोकन करने पर यह निष्कर्ष निकलता है कि प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में उद्यमों की संख्या 33,98,779 है, जो कि कुल उद्यमों का 50.85 प्रतिशत है। पूर्वी क्षेत्र में उद्यमों की संख्या 20,02,367 (29.96 प्रतिशत), मध्य क्षेत्र में 10,42,601 (15.60 प्रतिशत) तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में 2,40,158 (3.59 प्रतिशत) पायी गयी। उपरोक्त आँकड़ों से स्पष्ट है कि उद्यमों की संख्या के आधार पर बुन्देलखण्ड संभाग प्रदेश के अन्य संभागों की तुलना में सबसे पिछड़ा है **(ग्राफ–8.2)**।

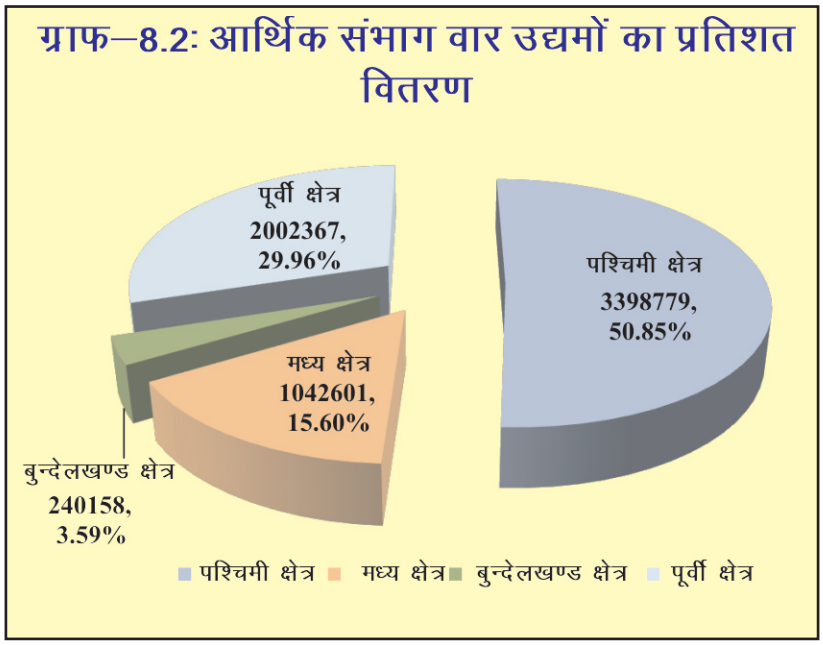

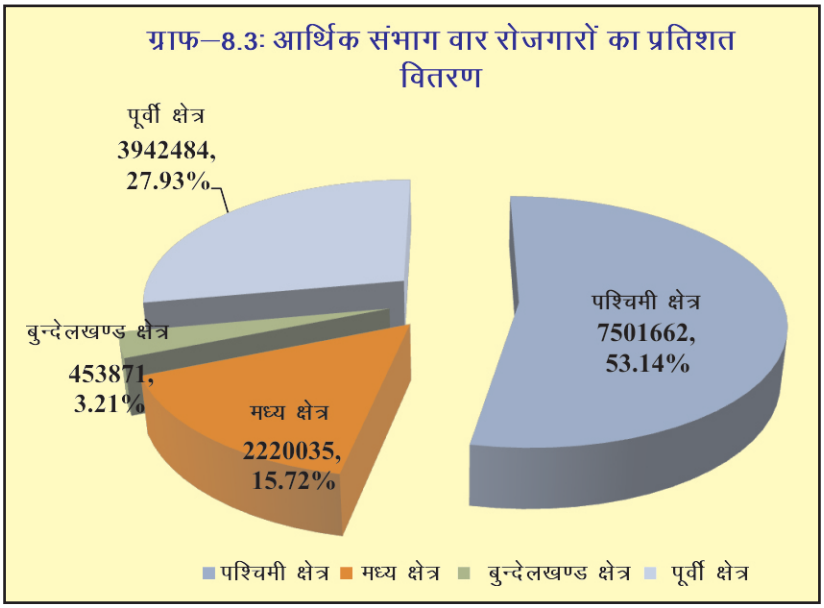

छठी आर्थिक गणना में प्रदेश स्तर पर प्राप्त उद्यमों में कुल 1,41,18,052 व्यक्ति कार्यरत पाये गये। सम्भाग वार रोज़गार की स्थिति का चित्रण **ग्राफ–8.3** में प्रदर्शित किया गया है। ग्राफ के अनुसार उद्यमों में प्राप्त रोज़गार का सर्वाधिक 53.14 प्रतिशत पश्चिमी क्षेत्र में, तत्पश्चात् 27.93 प्रतिशत पूर्वी क्षेत्र में, 15.72 प्रतिशत मध्य क्षेत्र तथा सबसे कम 3.21 प्रतिशत बुन्देलखण्ड क्षेत्र में रहा। उद्यमों की संख्या एवं रोज़गार के आंकड़ों के अवलोकन से यह तथ्य उभरकर

आता है कि जिस संभाग में उद्यमों की संख्या ज्यादा है, वहां रोज़गार का प्रतिशत भी ज्यादा है, अर्थात् उद्यमों की संख्या एवं रोज़गार में एक प्रकार का धनात्मक सह–सम्बन्ध दृष्टिगोचर होता है। अतः बुन्देलखण्ड क्षेत्र में उद्यमों में रोज़गार की यह स्थिति इसलिए भी देखने को मिलती है कि इस क्षेत्र में उद्यमों की संख्या भी अन्य संभागों की तुलना में कम है (ग्राफ–8.3)।

8.2 आर्थिक संभाग वार एवं उद्यमों के प्रकार के अनुसार उद्यम एवं रोज़गार का प्रतिशत वितरण

ग्राफ–8.4: आर्थिक संभाग वार एवं उद्यम के प्रकार के अनुसार उद्यमों का प्रतिशत वितरण

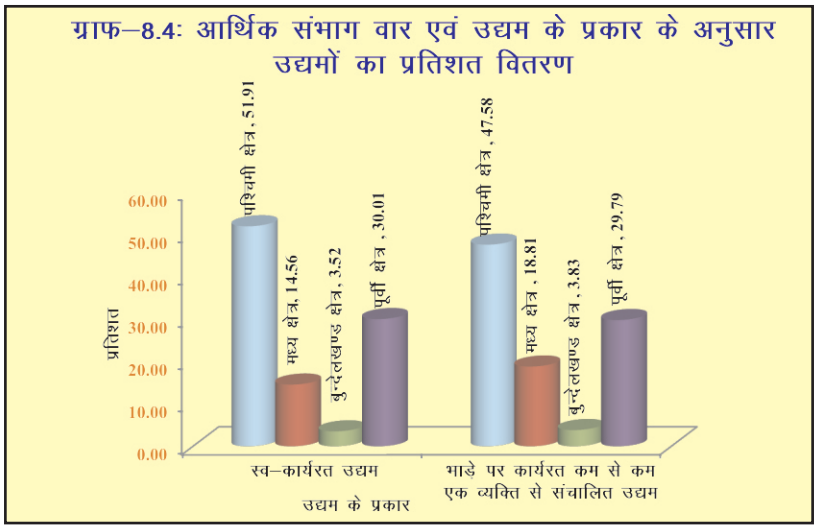

आर्थिक संभाग वार एवं उद्यमों के प्रकार के अनुसार उद्यम तथा इनमें नियोजित कामगारों का प्रतिशत वितरण क्रमशः ग्राफ–8.4 तथा 8.5 में प्रदर्शित किया गया है। ग्राफ के अवलोकन से स्पष्ट है कि पश्चिमी संभाग में स्व–कार्यरत संचालित उद्यमों की संख्या 26,20,652 थी, जो प्रदेश में कुल 50,48,393 स्व–कार्यरत संचालित उद्यमों का 51.91 प्रतिशत है। स्व–कार्यरत उद्यमों का यह प्रतिशत पूर्वी क्षेत्र, मध्य क्षेत्र तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में क्रमशः 30.01 प्रतिशत (15,15,226 उद्यम), 14.56 प्रतिशत (7,34,916 उद्यम) तथा 3.52 प्रतिशत (1,77,599 उद्यम) रहा। इसी प्रकार प्रदेश में ऐसे उद्यमों की संख्या 16,35,512 जहां भाड़े पर कार्यरत कम से कम एक व्यक्ति पाया गया, थी। ऐसे कुल उद्यमों का पश्चिमी क्षेत्र में 47.58 प्रतिशत, पूर्वी क्षेत्र में 29.79 प्रतिशत, मध्य क्षेत्र में 18.81 प्रतिशत तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में 3.83 प्रतिशत रहा **(ग्राफ–8.4)**।

प्रदेश में स्व–कार्यरत उद्यमों में रोज़गार प्राप्त व्यक्तियों की कुल संख्या 74,42,146 थी। पश्चिमी संभाग में स्व–कार्यरत उद्यम में कुल 40,93,329 व्यक्ति (55.00 प्रतिशत), पूर्वी संभाग में 20,87,882 व्यक्ति (28.05 प्रतिशत), मध्य संभाग में 10,32,561 व्यक्ति (13.87 प्रतिशत) एवं बुन्देलखण्ड संभाग में 2,28,374 व्यक्ति (3.07 प्रतिशत) रोज़गार में लगे पाये गये। इसी प्रकार भाड़े पर कार्यरत कम से कम एक व्यक्ति से संचालित उद्यमों में पश्चिमी संभाग में 51.05 प्रतिशत व्यक्ति, पूर्वी संभाग में 27.78 प्रतिशत व्यक्ति, मध्य संभाग में 17.79 प्रतिशत व्यक्ति तथा बुन्देलखण्ड संभाग में 3.38 प्रतिशत व्यक्ति रोज़गार में लगे पाये गये। ऐसे उद्यमों में रोज़गार प्राप्त कुल व्यक्तियों की कुल संख्या 66,75,906 थी **(ग्राफ–8.5)**।

ग्राफ–8.5: आर्थिक संभाग वार एवं उद्यमों के अनुसार उद्यमों में नियोजित कामगारों का प्रतिशत वितरण

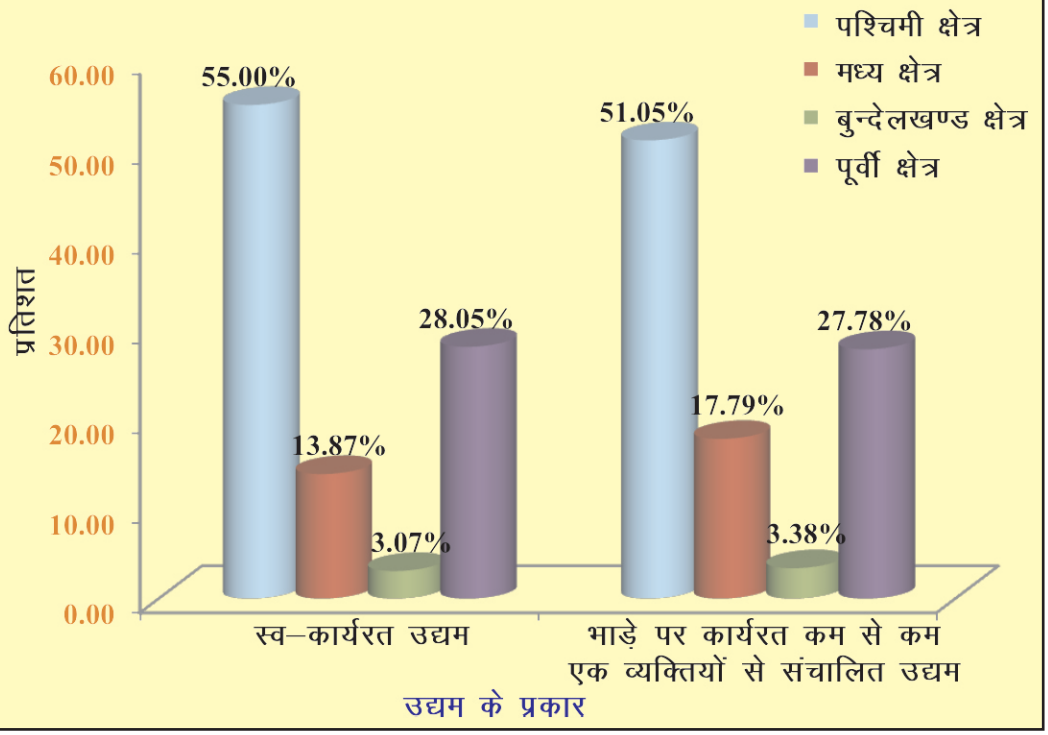

8.3 प्रदेश में पाँचवीं आर्थिक गणना 2005 के सापेक्ष छठी आर्थिक गणना 2013 के अन्तर्गत संभाग वार, क्षेत्र वार उद्यम एवं रोज़गार की वृद्धि दर की प्रवृत्ति

ग्राफ–8.6: प्रदेश में पाँचवीं आर्थिक गणना 2005 के सापेक्ष छठी आर्थिक गणना 2013 के अन्तर्गत संभाग वार एवं क्षेत्र वार उद्यमों में वृद्धि दर

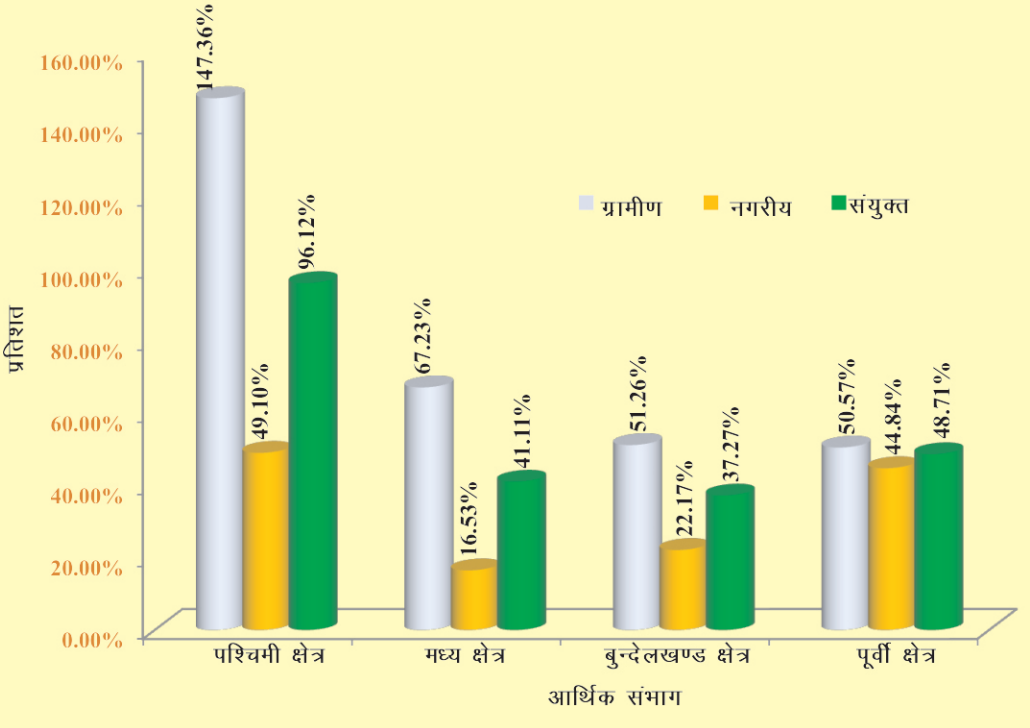

वर्ष 2005 से वर्ष 2013 के मध्य पश्चिमी संभाग में उद्यमों की संयुक्त वृद्धि दर 147.36 प्रतिशत (ग्रामीण–49.10 प्रतिशत, नगरीय–96.12 प्रतिशत), मध्य संभाग में 67.23 प्रतिशत (ग्रामीण–16.53 प्रतिशत, नगरीय–41.11 प्रतिशत), बुन्देलखण्ड संभाग में 51.26 प्रतिशत (ग्रामीण–22.17 प्रतिशत, नगरीय–37.27 प्रतिशत) तथा पूर्वी संभाग में 50.57 प्रतिशत (ग्रामीण–44.84 प्रतिशत, नगरीय–48.71 प्रतिशत) रही। यहां यह उल्लेखनीय है कि संयुक्त रूप से उद्यमों की वृद्धि दर बुन्देलखण्ड संभाग में पूर्वी संभाग की तुलना में अधिक रही है। ग्रामीण क्षेत्र में बुन्देलखण्ड संभाग में उद्यमों की वृद्धि दर मध्य संभाग की तुलना में ज्यादा है **(ग्राफ–8.6)**।

रोज़गार की दृष्टि से पश्चिमी संभाग में संयुक्त रूप से रोज़गार की वृद्धि दर 143.46 प्रतिशत (ग्रामीण–82.42 प्रतिशत, नगरीय–110.63 प्रतिशत), मध्य संभाग में 84.46 प्रतिशत (ग्रामीण–25.51 प्रतिशत, नगरीय–50.24 प्रतिशत), बुन्देलखण्ड संभाग में 51.95 प्रतिशत (ग्रामीण–28.77 प्रतिशत, नगरीय–40.32 प्रतिशत) तथा पूर्वी संभाग में 60.28 प्रतिशत (ग्रामीण–56.04 प्रतिशत, नगरीय–58.76 प्रतिशत) रही है। दिये गये आँकड़ों से स्पष्ट है कि बुन्देलखण्ड संभाग में संयुक्त रूप से रोज़गार की वृद्धि दर अन्य संभागों की तुलना में कम है, परन्तु बुन्देलखण्ड संभाग के ग्रामीण क्षेत्र में मध्य संभाग की तुलना में रोज़गार की वृद्धि दर अधिक रही है **(ग्राफ–8.7)**।

ग्राफ–8.7: प्रदेश में पाँचवीं आर्थिक गणना 2005 के सापेक्ष छठी आर्थिक गणना 2013 के अन्तर्गत संभाग वार एवं क्षेत्र वार रोजगारों की वृद्धि दर

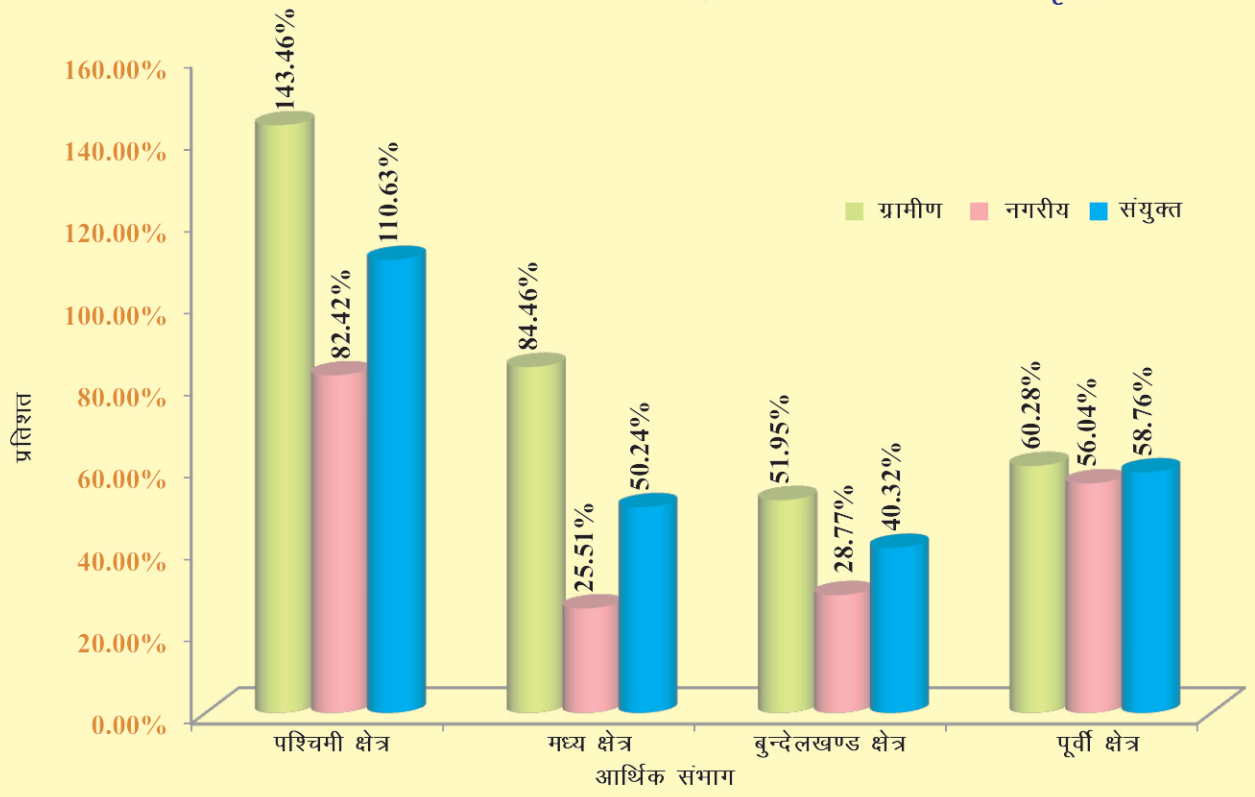

8.4 हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों का संभाग वार प्रतिशत वितरण

हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों का संभाग वार प्रतिशत वितरण का स्वरूप भी वही देखने को मिलता है जैसा कि अन्य उद्यमों के प्रतिशत वितरण के सन्दर्भ में परिलक्षित होता है। हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों में सर्वाधिक हिस्सेदारी 49.45 प्रतिशत पश्चिमी संभाग की है। इसके बाद पूर्वी संभाग की हिस्सेदारी 31.31 प्रतिशत, मध्य संभाग की 16.52 प्रतिशत एवं सबसे कम बुन्देलखण्ड संभाग की 2.72 प्रतिशत है **(ग्राफ–8.8)**।

ग्राफ–8.8: हस्तशिल्प/हथकरघा उद्यमों का संभाग वार प्रतिशत वितरण